



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

14 पौष 1939 (श0)
(सं0 पटना 17) पटना, बृहस्पतिवार, 4 जनवरी 2018

सं० 1/स्था0(ले०से०)आ०-06/2014-32/वि०
वित्त विभाग

संकल्प
3 जनवरी 2018

श्री प्रदीप कुमार (बिहार लेखा सेवा), कोटि क्रमांक-92/2017, तत्कालीन जिला भविष्य निधि पदाधिकारी-सह- राष्ट्रीय बचत कार्यपालक पदाधिकारी, सीतामढ़ी को निगरानी धावा दल द्वारा दिनांक 09.12.2014 को परिवादी श्री सुनील कुमार से 20,000/- (बीस हजार रुपये) रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया एवं निगरानी थाना कांड सं०-097/2014 दिनांक 09.12.2014 दर्ज किया गया।

2. पुलिस अधीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना के पत्रांक-2916 अप०शा० दिनांक 11.12.2014 द्वारा प्रतिवेदित उपर्युक्त सूचना के आलोक में विभागीय अधिसूचना ज्ञापांक-12228 दिनांक 24.12.2014 द्वारा दिनांक 09.12.2014 (हिरासत में जाने की तिथि) के प्रभाव से श्री कुमार को निलंबित किया गया। प्रतिवेदित आरोपों के आधार पर श्री कुमार के विरुद्ध आरोप प्रपत्र 'क' गठित कर विभागीय पत्रांक-2813 दिनांक 19.03.2015 द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित करने का निदेश दिया गया। श्री कुमार ने पत्रांक-शून्य दिनांक 29.07.2015 द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया। विभागीय पत्रांक-7149 दिनांक 17.08.2015 द्वारा श्री कुमार के स्पष्टीकरण पर जिला पदाधिकारी, सीतामढ़ी से मंतव्य की माँग की गयी। जिला पदाधिकारी, सीतामढ़ी का मंतव्य प्राप्त नहीं हुआ। निगरानी दल के प्रतिवेदन के आलोक में कार्रवाई की गयी।

3. श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप एवं उनके द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण की समीक्षापरान्त विभागीय संकल्प ज्ञापांक-9939 दिनांक 02.12.2015 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

4. संयुक्त सचिव-सह-संचालन पदाधिकारी, वित्त विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-36/ सं०स० कोषांग दिनांक 04.08.2016 द्वारा उपलब्ध कराये गये जाँच प्रतिवेदन में आरोपित पदाधिकारी पर लगाए गए आरोप को प्रमाणित प्रतिवेदित किया गया।

5. बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) 2005 के नियम 17(2) के संगत प्रावधान के तहत संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन की छायाप्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक-7762 दिनांक 28.09.2016 द्वारा श्री कुमार से द्वितीय कारण पृच्छा समर्पित करने का निदेश दिया गया।

6. श्री कुमार द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा दिनांक 21.10.2016 के आलोक में निगरानी विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये साक्ष्यों एवं बयानों से यह स्पष्ट होता है कि परिवादी से रिश्त की माँग की और उनके पास से ही राशि की बरामदगी हुई है। उनका आगे कहना है कि परिवादी का परिवाद पूर्णरूपेण मनगढ़त है। मो० फजातुल्लाह एवं मो० कमरे आलम स्वतंत्र गवाह नहीं हैं क्योंकि वे श्री सुनील कुमार के निजी आदमी हैं एवं उन लोगों का घर घटनास्थल से 25 कि०मी० दूर श्री सुनील कुमार के घर के निकट है। ये दोनों व्यक्ति घटना स्थल पर मौजूद नहीं थे तथा इन दोनों के द्वारा रूपये लेते या देते हुए नहीं देखा गया है। विभागीय कार्यवाही के संचालन में निगरानी विभाग के संबंधित पदाधिकारी/कर्मि विभागीय कार्यवाही में उपस्थित होकर बयान दर्ज कराया गया है। एक साजिश के तहत श्री सुनील कुमार के कुप्रभाव में आकर निगरानी विभाग द्वारा दिनांक 09.12.2014 को घना कुहासा एवं सन्नाटा का फायदा उठाते हुए सुबह में सुनील कुमार के दो आदमियों द्वारा जबरदस्ती उठाकर ले जाया गया एवं निगरानी के पदाधिकारियों द्वारा उनके विरुद्ध फर्जी कांड दर्ज किया गया।

7. श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, समर्पित स्पष्टीकरण एवं संचालन पदाधिकारी द्वारा प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के सम्यक् समीक्षोपरांत पाया गया कि आरोपित पदाधिकारी द्वारा कोई नया तथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया एवं निगरानी विभाग के धावा दल के प्रभारी श्री पारसनाथ सिंह, पुलिस उपाधीक्षक का बयान प्राप्त किया गया जिसमें उनके द्वारा प्री-ट्रैप मेमोरान्डम/पोस्ट ट्रैप मेमोरान्डम में उल्लिखित तथ्यों को पुष्ट किया गया। संचालन पदाधिकारी द्वारा भी विभागीय कार्यवाही में सम्यक् जाँचोपरांत आरोपित पदाधिकारी के पास से राशि का बरामद होना तथा श्री प्रदीप कुमार (आरोपी पदाधिकारी) के हाथों को सोडियम कार्बोनेट के घोल से धुलवाने पर घोल के गुलाबी हो जाने के आधार पर आरोपों को सही पाया गया।

8. उपरोक्त तथ्यों के आलोक में श्री कुमार के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं पाया गया तथा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा इसे अस्वीकृत करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) 2005 के नियम 14(xi) के तहत “सेवा से बर्खास्तगी” का दंड अधिरोपित करने का विनिश्चय किया गया।

9. विभागीय पत्रांक-6091 दिनांक 30.08.2017 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग, पटना से श्री कुमार के विरुद्ध विनिश्चित सेवा से बर्खास्तगी के दंड प्रस्ताव पर परामर्श की मांग की गई। आयोग के पत्रांक-05/प्रो०-36-07 /2017 (2002)लो०से०आ० दिनांक 14.11.2017 द्वारा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा विनिश्चित सेवा से बर्खास्तगी के दंड प्रस्ताव पर सहमति संसूचित की गयी।

10. उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आधार पर अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा श्री प्रदीप कुमार (बिहार लेखा सेवा), कोटि क्रमांक-92/2017, तत्कालीन जिला भविष्य निधि पदाधिकारी-सह-राष्ट्रीय बचत कार्यपालक पदाधिकारी, सीतामढ़ी के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 14(xi) के प्रावधानों के तहत सेवा से बर्खास्तगी का दंड दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

11. अनुशासनिक प्राधिकार के निर्णयानुसार श्री प्रदीप कुमार (बिहार लेखा सेवा), कोटि क्रमांक-92/2017, तत्कालीन जिला भविष्य निधि पदाधिकारी-सह-राष्ट्रीय बचत कार्यपालक पदाधिकारी, सीतामढ़ी को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 14(xi) के प्रावधानों के तहत “सेवा से बर्खास्तगी का दंड” अधिरोपित एवं संसूचित किया जाता है।

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति को बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति श्री प्रदीप कुमार (बिहार लेखा सेवा), कोटि क्रमांक-92/2017 तत्कालीन जिला भविष्य निधि पदाधिकारी-सह-राष्ट्रीय बचत कार्यपालक पदाधिकारी, सीतामढ़ी एवं सभी संबंधितों को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिये भेज दी जाय।

विश्वासभाजन,

जयन्त कुमार सिंह,

सरकार के अपर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,

बिहार गजट (असाधारण) 17-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>